<u>कोर्स रिपोर्ट</u>

‘‘इन्टेरोगेशन टेक्निक्स’’

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में बी. पी. आर. एण्ड डी के सौजन्य से ‘‘इन्टेरोगेशन टेक्निक्स’’ विषय पर 05 दिवसीय कोर्स दिनांक 16.01.2017 से 20.01.2017 तक आयोजित किया गया है।

इस कोर्स में राजस्थान के विभिन्न जिलों से कुल 23 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई। इस कोर्स के कोर्स डायरेक्टर श्री संजीव नैन, सहायक निदेशक (प्रशासन) ने कोर्स की प्रस्तावना के साथ कोर्स की शुरूआत की व इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के विभिन्न आयामों व उनका पुलिस कार्यप्रणाली व अनुसंधान में महत्व के बारे में बताया।

प्रशिक्षण कार्य कार्यक्रम की अवधि प्रात: 10.00 से सांय 05.10 तक रही है, जिसमें इन्टेरोगेशन टेक्निक्स विषय पर विभिन्न कानूनों की जानकारी, पूछताछ सम्बन्धित विधियों की जानकारी, साक्ष्य एकतित करने की प्रक्रिया, गिफ्तारी एवं आरोप पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जानकारी विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई आमंत्रित अतिथि व्यख्याताओं में चिकित्सा क्षेत्र के वरिष्ठ विशेषज्ञों ने उपस्थित होकर व्याख्यान दिये साथ ही भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत एवं मौजूदा पुलिस अधिकारियों ने अपने अनुभव प्रशिक्षणार्थियों से साझा किये।

कोर्स के दौरान श्री दिलीप सैनी, सहायक निदेशक (विशिष्ठ कोर्स एवं सीओई) ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के विभिन्न विकल्पों के बारे में बताते हुए इन्टेरोगेशन टेक्निक्स की एसओपी के बारे में जानकारी दी।
श्री संजीव नैन, सहायक निदेशक (प्रशासन), आरपीए, जयपुर ने पूछताछ के दौरान डूज एण्ड डोन्ट्स पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री वी.एन. माथुर, सेवानिवृत डायरेक्टर, एफएसएल, जयपुर ने डी.एन.ए. फिंगरप्रिरट के बारे में जानकारी प्रदान की। श्रीमती रेनुका पामेचा सेवानिवृत उप प्राचार्य कानोडिया गर्ल्स कॉलेज, जयपुर एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के सन्दर्भ में पूछताछ के दौरान मानवाधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की। श्री योगेन्द्र जोशी, सेवानिवृत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने रोल ऑफ फीलिंग्स एण्ड इमोशन्स के बारे में जानकारी प्रदान की। श्री आर.एस. शर्मा से.नि. सहायक निदेशक एफ.एस.एल., जयपुर ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स में डॉक्यूमेन्ट एवं डिजिटल साक्ष्य संकलन की अद्यतन वैज्ञानिक तकनीकों की सम्पूर्ण जानकारी दी।

श्री जी.एल. शर्मा से.नि. पुलिस महानिरीक्षक ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के मामलों में अपने सम्पूर्ण सेवा काल के अनुभव का सिंहावलोकन प्रस्तुत कर विधिक तकनीकों की सम्पूर्ण जानकारी दी। श्री धनपत सांखला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सी.आई.डी.(सीबी), जयपुर ने अच्छे पूछताछकर्ता के गुणों के बारे में व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री मुकेश यादव उप अधीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जयपुर ने मोबाईल फोन व इन्टरनेट के उपयोग, सीडीआर एनालाइसिस आदि की इन्टेरोगेशन टेक्निक्स में उपयोगिता पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डा. श्री अमिताभ दुबे, सीनीयर प्रोफे; साइकियाट्रिक एसएमएस हॉस्पीटल, जयपुर ने साइकोलॉजिकल प्रोफाइलिंग ऑफ ए क्रिमीनल एण्ड बॉडी लैंग्वेज विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री राजेन्द्र सिंह पुलिस निरीक्षक, आरपीए, जयपुर ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के विधिक प्रावधानों पर व्याखान प्रस्तुत किया। श्री महेन्द्र पीपलीवाल, एडीपी, आरपीए, जयपुर ने इन्टेरोगेशन टेक्निक्स के सन्दर्भ में अलग-अलग क्षेत्रों में माफिया ऑपरेशन, हवाला लेन-देन आदि विषय पर व्याखान प्रस्तुत किया। श्री धीरज वर्मा, पुलिस निरीक्षक, आरपीए, जयपुर ने प्रिपरेशन ऑफ इन्टेरोगेशन टेक्निक्स रिपोर्ट पर व्याखान प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण में शामिल समस्त प्रतिभागियों से समग्र कोर्स का मूल्यांकन प्रपत्र भरवाया गया। कोर्स के अंतिम दिवस दिनांक 20.01.2017, शुक्रवार को सायं 04:00 बजे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन-समारोह अकादमी स्थित कॉन्फ्रेन्स हॉल नं. 01 में किया गया जिसमें श्री राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, जयपुर के उद्‌बोधन के पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।